(ख) यदि हां, तो क्या बैंकों को इस आशय के कोई अनुदेश जारी किये गये हैं या करने का विचार है कि फसलों को कोई नुकसान होने की स्थिति में मुआवजा, निर्धारित समय सीमा के भीतर दे दिया जाना है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) वृहत फसल बीमा योजना एक स्वैच्छिक योजना है। सभी राज्य संघ शासित प्रदेश किसी क्षेत्र में इसका कार्यान्वयन करके इसके पक्ष में विकल्प देने के लिए स्वतंत्र हैं। इस समय सभी राज्यों संघ शासित प्रदेशों में अनिवार्य रूप से वृहत फसल बीमा योजना का कार्यान्वयन करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) यह प्रश्न नहीं उठता।

रासायनिक उर्वरकों का मानव जीवन पर असर

4057. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रासायनिक उर्वरकों का कृषि में इस्तेमाल किये जाने का मानव जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को देखते हुए नये कीटनाशक बनाए गए हैं जो पौधों पर आधारित हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस संबंध में नीम के वृक्ष और उसकी गिरी का इस्तेमाल बहुत सफल रहा है और यह भी कि देश में पर्यावरण और जलवायु संबंधी स्थितियां नीम के वृक्ष लगाने के लिए बहुत उपयुक्त हैं; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने किसानों को रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए नीम की गिरी का कीटनाशक के रूप में इस्तेमाल किये जाने को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाये हैं और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) नई और अपेक्षाकृत सुरक्षित कृमि नाशी दवाइयों, पौधों पर आधारित वनस्पति विज्ञान मूल की) कृमिनाशी दवाओं सहित, के विकास पर अनुसंधान एक सतत प्रक्रिया है जो विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा किया जाता है। इन जांचों के माध्यम से नीम, तम्बाकू, आदि जैसे पौधों पर आधारित कृमि नाशी दवाइयां विकसित की गई हैं।

(ख) जी, हां।

(ग) सरकार ने नीम पर आधारित कृमिनाशी दवाइयों के निर्माण और उपयोग को कृमिनाशी दवा अधिनियम, 1968 के अन्तर्गत पंजीकृत किया है।

Production of oil seeds

4058. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what is the comparative percentage of rise in the cultivation and production of oil seeds in the country during 1989, 1990 and 1991;

(b) what is the present area under oil-seeds cultivation in the country and what percentage it constitutes of the total cultivable loan;

(c) what was the gap between the projection and the actual production of oil-seeds during 1989, 1990 and 1991 and what are the reason for the shortfall in the estimated targets;

(d) what are the achievements made in the production of oil-seeds due to incentives, if any, given by Government for brining improvement in production, area-wise; and

(e) what measures are contemplated by Government to attain self-sufficiency in oil-seeds?